राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रमः **28 सितम्बर - 7 अक्टूबर 2020 मध्य प्रदेश**
आशा रिपोर्टिंग प्रपत्र

***कृपया नीचे दिए गये सभी विवरणों को भरें और किसी भी बॉक्स को अधूरा न छोड़ें**

आशा का नामः	**जिला का नामः**	**पी एच सी/ब्लॉक का नामः**
आशा का फोन नंबरः	**स्वास्थ्य उप–केंद्र का नामः**	**गाँव का नामः**

1	आपके गाँव/ क्षेत्र में बच्चों और किशोरों (1–19 वर्ष), की कुल संख्या (कुल बच्चों की तैयार सूची के अनुसार)	.... (संख्या)
2	कृमि मुक्ति कार्यक्रम के समय आपके गाँव/ क्षेत्र में एल्बेंडाजॉल दवाई खाने वाले बच्चों और किशोरों (1–19 वर्ष) की कुल संख्या	.... (संख्या)
3	आपके गाँव/ क्षेत्र से किसी गंभीर प्रतिकूल घटना की सूचना (यदि कोई हो)	हाँः ☐ नहींः ☐ पुनः स्वस्थ होने वाले बच्चों की संख्या......... मृतक बच्चों की संख्या..........

आशा के हस्ताक्षर एवं दिनांकः

आप आवश्यक सहायता के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (...

/हेल्पलाइन 108) से संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के समय याद रखने योग्य बातें

कोविड –19 बीमारी से बचाव हेतु निर्गत सभी दिशा निर्देशों व आवश्यक सुरक्षा उपायों का ध्यान रखते हुए आशा गृह भ्रमण के समय कृमि मुक्ति की दवाई एल्बेंडाजॉल, घर घर जा कर सभी 1–19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों को निर्धारित खुराक के अनुसार देंगी।

गृह भ्रमण के समय यह सुनिश्ति करें–

- मास्क / फेस कवर हर समय पहनें
- सुनिश्चित करें की परिवार के सभी सदस्यों ने मास्क पहना है
- दूसरों का अभिवादन दूर से ही करें
- सबसे 2 गज (6 फीट) की दूरी बनाए रखें
- अपने हाथ साबुन और पानी से नियमित तौर पर अच्छी तरह धोएं

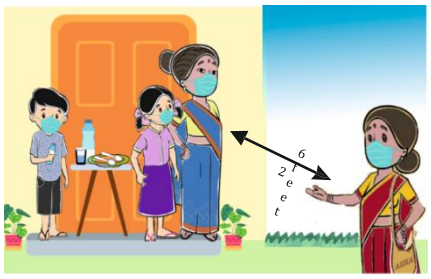

सुनिश्चित करें कि दवाई देते समय निम्नलिखित सुविधाएं जरूर उपलब्ध हों–

- पर्याप्त मात्रा में दवाई (साथ लेकर चलें)
- लाभार्थी का नाम दर्ज करने के लिए प्रपत्र (साथ लेकर चलें)
- पीने के लिए साफ पानी और गिलास (लाभार्थी के घर का पानी और गिलास प्रयोग करें)
- आशा दवाई चूरा करने और खिलाने के लिए 2 चम्मच (लाभार्थी के घर का साफ चम्मच एवं कटोरा प्रयोग करें)

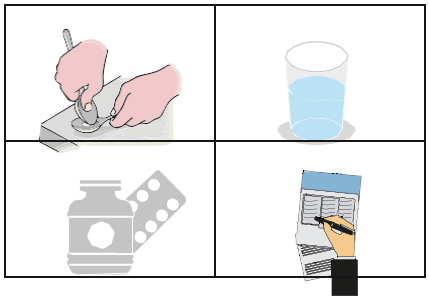

महत्वपूर्ण निर्देश–

* एल्बेंडाजॉल दवाई खिलाते समय घर के बाहर / खुली जगह में रहें
* गृह भ्रमण में किसी सदस्य को कोविड–19 के लक्षण हैं, तो संबंधित अधिकारी को सूचित करें
* जो बच्चे बीमार हैं या कोई दवाई ले रहे हैं, उन्हें एल्बेंडाजॉल दवाई नहीं खिलाई जाएगी
* आशा एल्बेंडाजॉल खिलाने से पहले खांसी, बुखार, सांस फुलना आदि लक्षणों की जांच कर लें और लाभार्थियों के कांटेक्ट हिस्ट्री के बारे में जानें
* जब बीमार बच्चे ठीक हो जाएगें तब उन्हें एल्बेंडाजॉल दवाई खिलाई जाएगी
* बच्चों को जबरदस्ती दवाई न खिलाएं
* एल्बेंडाजॉल की खुली हुई दवाई को न छुएं और बच्चों को स्वयं चम्मच से खिलाएं

आ खुराक एल्बेंडाजॉल खिलाने का तरीका

1–2 साल	आधी	1–2 साल के बच्चों को आधी दवाई खिलाएं। दवाई को दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही खिलाएं।
2–3 साल	पूरी एल्बेंडाजोल 400 खिलाने वाली	2–3 साल के बच्चों को एक पूरी दवाई खिलाएं। दवाई को दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही खिलाएं।
3–19 साल	पूरी एल्बेंडाजोल 400 (चबाने वाली)	• 3–19 साल के बच्चों को हमेशा दवाई चबा कर खाने की सलाह दें। • बिना चूरा या चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है। • पीने का पानी साथ रखें। • अपने सामने ही चम्मच से हर बच्चे को दवाई खिलाएं। दवाई घर ले जाने ना दें।

* आशा दवाई अच्छी तरह चबाकर खाने का निर्देश दें। साफ पीने का पानी साथ रखें। बिना चूरा किए या बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव कम हो सकता है
* आशा बच्चों के माता–पिता को डीवॉर्मिंग के मामूली दुष्प्रभावों के बारे में बताएं
* आशा गृह भ्रमण के समय सभी घरों में पी.एच.सी., ए.एन.एम. और अपना फोन नंबर देना सुनिश्चित करें

प्रतिकूल घटना (दुष्प्रभाव) का प्रबंधन

* कुछ बच्चों के शरीर में कृमि के कारण मामलूी दुष्प्रभाव जैसे जी मिचलाना, उल्टी, दस्त, पेट में हल्का दर्द और थकान अनुभव होने की संभावना हो सकती हैं। यह दुष्प्रभाव अस्थायी होते हैं और आम तौर पर आसानी से संभाले जा सकते हैं
* अगर बच्चे को मामूली दुष्प्रभाव हो तो उसे खुली व छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें और अपनी निगरानी में रखें
* एल्बेंडाजॉल आसानी से चबा कर खाये जाने वाली दवाई है। बिना चूरा किए या बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई गले में अटक सकती है
* चोकिंग (गले में दवाई का अटक जाना) दवाई का दुष्प्रभाव नहीं होता है
* अगर गोली का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ को हल्के से थपथपाएं जिससे कि गोली बाहर निकल जाए
* किसी भी चिकित्सकीय सहायता के लिए 108 जननी एक्सप्रेस नंबर पर फोन करें
* किसी भी प्रतिकूल घटना में एम्बुलेंस की सहायता हेतु 108 जननी एक्सप्रेस नंबर पर फोन करें

रिपोर्टिंग

कृमि मुक्ति कार्य को पूरा करने के उपरांत अगले घर के लिए निकलने से पहले वर्तमान घर के कुल बच्चों एवं कृमि मुक्त हुए बच्चों की संख्या लिखें भरे हुए **रिपोर्टिंग प्रपत्र** को **12 अक्टूबर, 2020** तक ए.एन.एम. को जमा करें।